

PART-2

Elaborate upon either positive or negative liberty.

Positive Liberty:

Positive liberty refers to the freedom to achieve one's potential and make meaningful choices in life. It is the ability to take control of your own actions and decisions. This type of liberty is not just about being free from restrictions but also about having the power and opportunities to fulfill your goals and desires. For example, if a person wants to get a good education, positive liberty means having access to schools, resources, and support to pursue that education.

सकारात्मक स्वतंत्रता उस स्वतंत्रता को संदर्भित करती है जो किसी व्यक्ति को उसकी पूरी क्षमता प्राप्त करने और जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने की शक्ति देती है। यह सिर्फ प्रतिबंधों से मुक्त होने की बात नहीं है, बल्कि अपने लक्ष्यों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक अवसरों और संसाधनों तक पहुंच होने की बात भी है। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति अच्छी शिक्षा प्राप्त करना चाहता है, तो सकारात्मक स्वतंत्रता का मतलब है कि उसके पास स्कूल, संसाधन और समर्थन उपलब्ध हो ताकि वह अपनी शिक्षा प्राप्त कर सके।

Negative Liberty:

Negative liberty means freedom from interference or restrictions. It is the absence of external constraints that might prevent a person from acting as they wish. Negative liberty focuses on the idea that people should be free to do what they want as long as they do not harm others. For instance, negative liberty allows someone to express their opinions or practice their religion without interference from the government or other people.

नकारात्मक स्वतंत्रता का मतलब हस्तक्षेप या प्रतिबंधों से स्वतंत्रता है। यह बाहरी बाधाओं की अनुपस्थिति है जो किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के अनुसार कार्य करने से रोक सकती हैं। नकारात्मक स्वतंत्रता इस विचार पर केंद्रित है कि लोगों को अपनी मर्जी के अनुसार कार्य करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए, बशर्ते वे दूसरों को नुकसान न पहुंचाएं। उदाहरण के लिए, नकारात्मक स्वतंत्रता किसी व्यक्ति को बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी राय व्यक्त करने या अपना धर्म पालन करने की अनुमति देती है।

Difference Between Positive and Negative Liberty:

Positive liberty focuses on what a person can do with their freedom, while negative liberty is concerned with being free from obstacles. In positive liberty, the individual needs support, resources, or opportunities to make use of their freedom. In negative liberty, the person simply needs to be left alone to act freely without interference. Both types of liberty are important for a balanced society, but they emphasize different aspects of freedom.

सकारात्मक और नकारात्मक स्वतंत्रता के बीच मुख्य अंतर यह है कि सकारात्मक स्वतंत्रता इस बात पर ध्यान देती है कि कोई व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के साथ क्या कर सकता है, जबकि नकारात्मक स्वतंत्रता यह सुनिश्चित करती है कि किसी व्यक्ति को रुकावटों से मुक्त रखा जाए। सकारात्मक स्वतंत्रता में, व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता का उपयोग करने के लिए समर्थन, संसाधनों या अवसरों की आवश्यकता होती है। नकारात्मक स्वतंत्रता में, व्यक्ति को बिना हस्तक्षेप के स्वतंत्र रूप से कार्य करने दिया जाता है। दोनों प्रकार की स्वतंत्रताएं एक संतुलित समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे स्वतंत्रता के अलग-अलग पहलुओं पर जोर देती हैं।

Example in Real Life:

A person living in a society with negative liberty might be free to start a business without government interference. However, to truly take advantage of that freedom (positive liberty), they would need access to education, financial resources, and opportunities to make their business successful. This shows how both types of liberty can complement each other.

एक व्यक्ति जो नकारात्मक स्वतंत्रता वाले समाज में रहता है, वह बिना सरकारी हस्तक्षेप के व्यवसाय शुरू करने के लिए स्वतंत्र हो सकता है। हालांकि, उस स्वतंत्रता का सही मायने में लाभ उठाने के लिए (सकारात्मक स्वतंत्रता), उसे शिक्षा, वित्तीय संसाधनों और अवसरों तक पहुंच की आवश्यकता होगी ताकि उसका व्यवसाय सफल हो सके। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों प्रकार की स्वतंत्रताएं एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं।

John Rawls' Theory of Justice:

John Rawls was a political philosopher who introduced a concept of justice known as "justice as fairness." His theory focuses on creating a fair and equal society where everyone has the same opportunities, regardless of their background or circumstances. Rawls believed that justice should not be based on luck or privilege but should ensure that all individuals have access to basic rights and opportunities.

जॉन रॉल्स एक राजनीतिक दार्शनिक थे जिन्होंने "न्याय को निष्पक्षता के रूप में" नामक न्याय की एक अवधारणा प्रस्तुत की। उनकी थ्योरी का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना था जहाँ सभी को समान अवसर मिलें, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या परिस्थितियाँ कैसी भी हों। रॉल्स का मानना था कि न्याय भाग्य या विशेषाधिकार पर आधारित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी व्यक्तियों को बुनियादी अधिकार और अवसर प्राप्त हों।

The Original Position and the Veil of Ignorance:

One of Rawls' key ideas is the "original position," where people make decisions about society without knowing their own place in it. To do this, Rawls suggested using a "veil of ignorance." Under this veil, individuals don't know if they will be rich or poor, educated or uneducated, or belong to any particular race, gender, or class. This way, people will choose principles of justice that are fair to everyone because they won't know their future status and will want to ensure fairness for all.

रॉल्स की एक प्रमुख अवधारणा "मूल स्थिति" है, जहाँ लोग समाज के बारे में निर्णय लेते समय अपने खुद के स्थान के बारे में अनजान होते हैं। ऐसा करने के लिए, रॉल्स ने "अज्ञान का आवरण" का उपयोग करने का सुझाव दिया। इस आवरण के तहत, व्यक्तियों को यह नहीं पता होता कि वे अमीर होंगे या गरीब, शिक्षित होंगे या अशिक्षित, या किसी विशेष जाति, लिंग या वर्ग से संबंधित होंगे। इस तरह, लोग ऐसे न्याय के सिद्धांत चुनेंगे जो सभी के लिए निष्पक्ष हों, क्योंकि वे अपने भविष्य के स्थान को नहीं जानेंगे और सभी के लिए समानता सुनिश्चित करना चाहेंगे।

Two Principles of Justice:

From the original position, Rawls proposed two key principles of justice:

1. **Equal Basic Rights:** Everyone should have equal rights, such as freedom of speech, the right to vote, and personal liberties.
2. **Difference Principle:** Social and economic inequalities are acceptable only if they benefit the least advantaged members of society. In other words, inequalities should help uplift those who are worse off, rather than widen the gap between the rich and poor.

मूल स्थिति से, रॉल्स ने न्याय के दो प्रमुख सिद्धांत प्रस्तुत किए:

1. **समान बुनियादी अधिकार:** सभी को समान अधिकार मिलने चाहिए, जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मतदान का अधिकार, और व्यक्तिगत स्वतंत्रताएँ।
 2. **अंतर सिद्धांत:** सामाजिक और आर्थिक असमानताएँ तभी स्वीकार्य हैं जब वे समाज के सबसे कमजोर सदस्यों को लाभ पहुँचाएँ। दूसरे शब्दों में, असमानताएँ उन लोगों की मदद करने के लिए होनी चाहिए जो सबसे बुरी स्थिति में हैं, न कि अमीर और गरीब के बीच की खाई को और बढ़ाने के लिए।
-

Fair Equality of Opportunity:

Rawls also emphasized the idea of "fair equality of opportunity." This means that everyone should have a fair chance to succeed in life, no matter where they come from. For example, a person from a poor family should have the same

chance to go to a good school and get a good job as someone from a wealthy family. This principle aims to remove barriers that unfairly disadvantage certain groups of people.

रॉल्स ने "समान अवसर की निष्पक्षता" के विचार पर भी जोर दिया। इसका मतलब है कि हर किसी को जीवन में सफल होने का समान अवसर मिलना चाहिए, चाहे वे किसी भी पृष्ठभूमि से आए हों। उदाहरण के लिए, गरीब परिवार से आने वाले व्यक्ति को अच्छी स्कूल और अच्छी नौकरी पाने का वही मौका मिलना चाहिए जो किसी अमीर परिवार से आने वाले व्यक्ति को मिलता है। इस सिद्धांत का उद्देश्य उन बाधाओं को हटाना है जो कुछ समूहों को अनुचित रूप से नुकसान पहुँचाती हैं।

Justice as Fairness:

Rawls' theory is often summarized as "justice as fairness." He believed that a fair society is one where everyone has equal basic rights, where inequalities benefit the least advantaged, and where there is true equality of opportunity. His ideas have influenced many discussions on social justice, fairness, and how to structure societies to promote equality.

रॉल्स की थ्योरी को अक्सर "न्याय के रूप में निष्पक्षता" कहा जाता है। उनका मानना था कि एक निष्पक्ष समाज वह है जहाँ सभी को समान बुनियादी अधिकार मिलते हैं, जहाँ असमानताएँ सबसे कमजोर लोगों को लाभ पहुँचाती हैं, और जहाँ वास्तविक अवसर की समानता होती है। उनके विचारों ने सामाजिक न्याय, निष्पक्षता, और समाज को समानता को बढ़ावा देने के लिए कैसे संगठित किया जाए, इस पर कई चर्चाओं को प्रभावित किया है।

FOR OTHER PARTS OF THIS SERIES LINK IS GIVEN BELOW IN THE DESCRIPTION.